म्यांमार सीमा से करगिल तक पांच हजार किलोमीटर का सफर तय करेंगी 50 पार की 12 पर्वतारोही

बछेंद्री उम्रदराज महिलाओं संग 37 पहाड़ी दर्रे पार करेंगी

महिला दिवस विशेष

देहरादून | **शैलेन्द्र सेमवाल**

एवरेस्ट पर तिरंगा फहराने वाली पहली भारतीय महिला पर्वतारोही बछेंद्री पाल एक और बड़े मिशन पर निकल रही हैं। वह 12 उम्रदराज महिलाओं के साथ ट्रांस हिमालय की यात्रा करेंगी।

पूरी टीम हिमालय के 18,300 फीट तक ऊंचे 37 कठिन पहाड़ी दर्रों को पार करेगी। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मंगलवार को दिल्ली में यात्रा को हरी झंडी दिखाई जाएगी। पांच महीने तक चलने वाली पांच हजार किलोमीटर लंबी यह यात्रा 12 मार्च से म्यांमार सीमा पर स्थित पंगासु दर्रा (अरुणाचल प्रदेश) से शुरू होगी। टीम असम, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, नेपाल, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख होते हुए कश्मीर पहुंचेगी। करगिल में टाइगर हिल की 16,608 फीट की चोटी पर यात्रा समाप्त होगी। फिट इंडिया अभियान के तहत टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन और खेल व युवा मंत्रालय इसके आयोजक हैं।

16

हजार फीट से ज्यादा ऊंची करगिल की चोटी पर खत्म होगी यात्रा

बछेंद्री पाल। ● फाइल

"यह अभियान मेरा सपना था कि मैं 50-60 वर्ष से ऊपर की महिलाओं को प्रेरित करने के लिए कुछ ऐसा करूं, जो पहले कभी न हुआ हो।

-**बछेंद्री पाल**, पर्वतारोही

दुनिया बदलती महिलाओं के जज्बे की कहानियां

- महिलाओं को भीड़ नहीं प्रतिनिधि बनाओ : जोशी पेज-6
- मुश्किलें नहीं तोड़ पाई चित्रा का हौसला पेज 10
- बेटियों ने तकदीर ही नहीं घर की तस्वीर भी बदली पेज-18